BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

ONLINE STUDYMATERIAL
SUBJECT- HINDI GRAMMAR
SESSION-2020-21
CLASS-_4

CHAPTER No- 2
TOPIC: वर्ण एवं मात्राएँ

बोलते समय हमारे मुख से जो ध्वनियाँ निकलती है,इन ध्वनियों को ही वर्ण कहा जाता है।
जैसे :-द्+आ+द्+आ =दादा

वर्ण की परिभाषा :
वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है ।
जैसे:-अ , आ , इ , ई , क् ,च् आदि ।

वर्ण के भेद
वर्ण के दो भेद होते हैं-
(i) स्वर (vowel)
(ii)व्यंजन (consonant)

(i)स्वर – जिन वर्णों के उच्चारण में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती , वे स्वर कहलाते हैं | स्वरों की संख्या ग्यारह (11) है:-
अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ
(ii)व्यंजन–जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है ,वे व्यंजन कहलाते हैं। व्यंजनों की संख्या तैंतीस (33) है-

कवर्ग - क ख ग घ ङ
चवर्ग - च छ ज झ ञ
टवर्ग - ट ठ ड ढ ण
तवर्ग- त थ द ध न
पवर्ग - प फ ब भ म
अंत:स्थ -य र ल व
उष्म - श ष स ह

स्पर्शव्यंजन

अयोगवाह - जो वर्णना तो स्वर होते हैं और न ही व्यंजन ,उन्हें अयोगवाह कहते हैं ।
अं अ:तथा अँ इसी प्रकार के वर्ण हैं इनका स्थान स्वर के बाद तथा व्यंजन से ठीक पहले माना जाता है ।
अं- अंको अनुस्वार कहते हैं।इसका चिह्न(ं)है। इस ध्वनि का उच्चारण नाक से होता है।
जैसे:-पंख हंस गंगा कंस जंग
अँ –अँ को अनुनासिक कहते हैं।इसका चिह्न (ँ)है। इस ध्वनि का उच्चारण मुख तथा नाक की सहायता से होता है ।

जैसे:- आँख साँप ऊँट दाँत पाँच
अः – अः को विसर्ग कहते हैं।इसका चिह्न(ः)है।इसका उच्चारण 'ह' को हल्का झटका देकर किया जाता है।
जैसे:-अह दुःख नमः प्रातः

संयुक्त व्यंजन

दो व्यंजनों के योग से बने वर्ण से युक्त व्यंजन कहलाते हैं। इन व्यंजनों की संख्या 4 है ।
क्ष त्र ज्ञ श्र
क् +ष =क्ष क्षत्राणी, क्षत्रिय, क्षमा ,कक्षा
ज + ञ= ज्ञ ज्ञानी, यज्ञ, ज्ञान
त् +र =त्र त्रिकोण, त्रिभुज, त्रिशूल
श् + र = श्र परिश्रम, श्रम, श्रमिक

उत्क्षिप्त व्यंजन- हिंदी भाषा में 'ड़ 'और 'ढ़'वर्णों का भी समावेश किया गया है।इन्हें उत्क्षिप्त व्यंजन कहते हैं |
जैसे:-घोड़ा, गाड़ी, कपड़ा,सीढ़ी, पढ़ना आदि |

हलंत– व्यंजन वर्णों के नीचे लगाई जाने वाली तिरछी रेखा हलंत(्)कहलाती है।
जैसे:-क् ख् ग् ।
हलंत लगाने से व्यंजन वर्ण 'स्वर रहित' हो जाता है ।
'र' के विभिन्न रूप-
(1)सूर्य , कार्य
(2)क्रम ,भ्रम
(3)ट्रक ,राष्ट्र

मात्राएँ

स्वरों के चिह्न मात्राएँ कहलाते हैं ।
हिंदी में कुल **11** स्वर होते है ।इन स्वरों को दो प्रकार से लिखा जा सकता है-
(1)अपने मूल रूप में-अनार आम इमली ईख उल्लू ऊन ऋषि एड़ी ऐनक ओखली औरत

(2)किसी व्यंजन के साथ मिलाकर- किसी व्यंजन में स्वर को मिलाते समय इन स्वरों का मूल रूप नहीं लिखा जाता बल्कि इनके चिह्न को मिलाया जाता है।
व्यंजन के साध मात्राओं का प्रयोग –क का कि की कु कू के कै को कौ
व्यंजन के साथ सवरों के मेल से बने शब्द:–
घ्+अ+र्+अ =घर
श्+ए+र्+अ =शेर
क्+इ+ल्+आ=किला

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क – वर्ण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है ।

(ख) - अयोगवाह किसे कहते हैं ?उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर – जो वर्ण ना तो स्वर होते हैं और ना ही व्यंजन उन्हें अयोगवाह कहते हैं।अं ,अँ तथा अ:

अं को अनुस्वार कहते हैं इस ध्वनि का उच्चारण ना से होता है। जैसे- हंस, पंख ,गंगा आदि

अँ को अनुनासिक कहते हैं इस ध्वनि का उच्चारण मुख तथा नाक की सहायता से होता है जैसे

साँप ,दाँत. ऊँट आदि ।

अ: को विसर्ग कहते हैं । इसका उच्चारण ह को हल्का -सा झटका देकर किया जाता है ।जैसे-

दु:ख नमः प्रातः आदि ।

(ग)- संयुक्त व्यंजन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - दो व्यंजनों के योग से बने वर्ण सयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। इन व्यंजनों की संख्या **4** है।क्ष ,त्र ,ज्ञ .श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं ।

(घ) – मात्राएँ किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर - स्वरों के चिह्न मात्राएँ कहलाते हैं । जैसे- ग् +अ +म्+अ+ल्+आ =गमला ,न्+अ+द्+ई= नदी ।

गृहकार्य :-